



1001



Saroj

Fendi VOL-02

अ

अक्षय्य पौर्णिमा

श्रीमद्भगवद्गीता अर्जुनसमवाक्ये अर्जुनस्य वचनम् ॥ २६ ॥

Saraj



1001



1002



1003



1004



1005



1006



1001



1002



1003





1005





1006